SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member and urge the Government to take immediate steps. Sugarcane production is spread over a number of States.

SHRI K.N. BALAGOPAL (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI M.P. ACHUTHAN (Kerala): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. T.N. SEEMA (Kerala): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SHARAD PAWAR (Maharashtra): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्री शरद यादव (बिहार): माननीय उपसभापति जी, माननीय सदस्य, श्री टी.के. रंगराजन द्वारा सदन में उठाए गए विषय से मैं अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, माननीय सदस्य, श्री टी.के. रंगराजन द्वारा सदन में उठाए गए विषय से मैं अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, माननीय सदस्य, श्री टी.के. रंगराजन द्वारा सदन में उठाए गए विषय से मैं अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, माननीय सदस्य, श्री टी.के. रंगराजन द्वारा सदन में उठाए गए विषय से मैं अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

डॉ. अनिल कुमार साहनी (बिहार): माननीय उपसभापति जी, माननीय सदस्य, श्री टी.के. रंगराजन द्वारा सदन में उठाए गए विषय से मैं अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. Shri Narendra Kumar Kashyap. The names of those who associate should be added.

Demand for conferring Bharat Ratna on Late Shri Kanshi Ram posthumously

श्री नरेन्द्र कुमार कश्यप (उत्तर प्रदेश): मान्यवर, कांशीराम जी को "भारत रत्न" से सम्मानित करने का विषय आज मैं शून्य काल में उपस्थित कर रहा हूँ। मान्यवर, श्री कांशीराम जी का नाम सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक मुक्ति के आंदोलन में 6 दिसम्बर, 1978 को जुड़ा था, जिन्होंने भारत में जातिविहीन समाज की संरचना के लिए 6,743 जातियों को एकजुट करके सम्मान और स्वाभिमान

की जिन्दगी बसर करने का एक काम लिया था। मान्यवर, कांशीराम साहब का नाम वह नाम है, जो गरीब-दलित परिवार में पैदा हुए, जिन्होंने दो रुपये, दो पहिए और दो पैरों के बल पर साढ़े चार हजार किलोमीटर साइकिल से यात्रा की और पूरे भारत में इस बात का संदेश दिया कि अगर देश में सामाजिक संतुलन बनाना है, तो दलित, पिछड़े और कमजोरों को राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में बढ़ावा देना पड़ेगा।

महोदय, श्री कांशीराम जी ने "बामसेफ", "डीएसफोर" और "बहुजन समाज पार्टी" के माध्यम से देश में एक राष्ट्रीय पार्टी को स्थापित करने का काम किया। इतना ही नहीं, अपनी सोच और अपने संघर्ष के बल पर उन्होंने बहुजन समाज पार्टी को राष्ट्रीय मुकाम दिलाया। उत्तर प्रदेश में आदरणीय बहन कुमारी मायावती जी, जो आज बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, उनके नेतृत्व में चार-चार बार सरकार बनने का अवसर मिला। इसके अलावा, एससी, एसटी और ओबीसी के लोगों को रिज़र्वेशन दिलाने में उन्होंने एक बड़ी मुहिम शुरू की। ओबीसी के 52 प्रतिशत लोगों को 27 परसेंट रिज़र्वेशन मिले, इसके लिए उन्होंने आवाज उठाई कि "मंडल कमीशन लागू करो, वरना कुर्सी खाली करो।" इस तरह के बहुत सारे विषय उन्होंने उठाए।

हमारी मौजूदा सरकार ने आदरणीय अटल जी और मालवीय जी को भी "भारत रत्न" से सम्मानित किया है। सदन और देश यह महसूस करता है कि मान्यवर कांशीराम साहब भी वह नेतृत्व हैं, वह प्रतिभा हैं, देश के वह नेता हैं, जिनको "भारत रत्न" दिया जाना चाहिए। धन्यवाद।

श्री सतीश चन्द्र मिश्रा (उत्तर प्रदेश)**:** सर, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्री दर्शन सिंह यादव (उत्तर प्रदेश)**:** सर, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्री राजपाल सिंह सैनी (उत्तर प्रदेश)**:** सर, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्री पी.एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश)**:** सर, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्री वी. हनुमंत राव (तेलंगाना)**:** सर, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्री वीर सिंह (उत्तर प्रदेश)**:** सर, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

डा. अनिल कुमार साहनी (बिहार)**:** सर, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

SHRI JESUDASU SEELAM (Andhra Pradesh): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

श्री गुलाम रसूल बलियावी (बिहार)**:** सर, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

†جناب غلام رسول بلیاوی (بہار) : سر، میں خود کو اس وشے کے ساتھ سمبدّھ کرتا ہوں۔

---

† Transliteration in Urdu Script.